राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी । शुक्रवार • 22 जनवरी • 2016

देश के टॉप 50 संस्थानों में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज

वाराणसी (एसएनबी)। धर्म एवं शिक्षा की नगरी काशी के माथे पर एक और सितारा चमका। जब जिले का उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थान स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेस ने (एसएमएस)'बिजनेस इण्डिया' के बी-स्कूल रेटिंग में 46वीं रैंक प्राप्त कर देश के टॉप 50 उत्कृष्ट संस्थानों में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। यह जानकारी बृहस्पतिवार को कैंटोमेंट स्थित एक होटल में संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने मीडिया को दी। प्रो. झा ने बताया कि इस सर्वेक्षण में एसएमएस प्रदेश सहित भारत के अन्य 17 राज्यों में निजी क्षेत्र के सभी प्रबन्ध संस्थानों में प्रथम स्थान हासिल किया है।

प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते प्रो. पीएन झा।

बिजनेस इंडिया में है प्रकाशित : प्रो. झा ने मीडिया के समक्ष बिजनेस इंडिया के (21 दिसम्बर 2015 से तीन जनवरी 2016) के बिजनेस इंडिया के नवीनतम अंक को दिखाते हुए बताया कि निजी क्षेत्र के बी-स्कूलों का दबदबा बढ़ता जा रहा है, प्रथम-50 उत्कृष्ट बी-स्कूलों में 40 निजी क्षेत्र के हैं, एसएमएस वाराणसी उनमें से एक है।

अध्यापकों को दिया श्रेय : प्रो. झा ने इस उपलब्धि का श्रेय संस्थान के अध्यापकों को देते हुए कहा कि इस परिणाम के पीछे अध्यापकों की कड़ी मेहनत है। उन्होंने कहा ऐसा संस्था प्रबन्धन के उच्च स्तरीय संसाधन के सदुपयोग से ही ऐसा सम्भव हुआ है।

विद्यार्थियों में बढ़ायी उद्योग क्षमता : प्रो. झा ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों में उद्योग क्षमता पर ध्यान दिया जाता है। इसलिये संस्थान ने पीजीडीएम पाठ्यक्रम उद्योगजगत के लिऐ डिजाइन किया है। छात्रों को अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग दी जाती है।

लाइब्रेरी में 35 हजार पुस्तकों का संग्रह : संस्थान के केंद्रीय ग्रंथालय में 35 हजार पुस्तकों का संकलन है, साथ ही ऑन-लाइन एवं ई-लाइब्रेरी की भी व्यवस्था है। संस्थान का कैम्पस वाई-फाई है तथा चार सौ से ज्यादा टर्मिनल वेब-युक्त हैं। संस्थान चार शोध जर्नलों का प्रकाशन नियमित रूप से कर रहा है। संस्था का यूरोपीय एवं अमरीकी विश्वविद्यालयों के 'एकेडेमिक टाई-अप' है।

स्टार्ट-अप इंडिया को समर्पित : प्रो. झा ने बताया कि एसएमएस वाराणसी के विद्यार्थी अब तक कई 'स्टार्ट-अप' देश को समर्पित कर चुके हैं। जिसके लिए संस्थान में समय-समय पर कार्यशालाएं, व्याख्यान, देश-विदेश के संस्थानों एवं उद्योगों में शैक्षणिक भ्रमण, एवं नियमित अन्तरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जाता है ताकि विद्यार्थी उद्योग जगत में आ रहे नवीन परिवर्तनों से अवगत हो सके।

इनकी रही उपस्थिति : इस मौके पर संस्थान के संजय गुप्ता (कुलसचिव), डॉ. आलोक कुमार (प्रोफेसर एवं डीन-आर एंड डी), डॉ. राजकुमार सिंह (प्रोफेसर), श्री कृष्ण कान्त बाजपेई (एसोसिएट प्रोफेसर) एंव प्रमोद सिंह शामिल रहे।